



Mr.



Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121592906

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 16-17/02/1988 : _____ जन्म तिथि _____ : 25-26/09/1991
 मंगल-बुधवार : _____ दिन _____ : बुध-गुरुवार
 घंटे 06:07:00 : _____ जन्म समय _____ : 02:40:00 घंटे
 घटी 57:24:19 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 50:29:37 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Surat : _____ स्थान _____ : Surat
 21:10:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 21:10:00 उत्तर
 72:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 72:50:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:38:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:38:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:09:16 : _____ सूर्योदय _____ : 06:28:09
 18:36:34 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:32:38
 23:41:32 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:44:46

विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 2मा 24दि
गुरु
12/05/2012
12/05/2028

गुरु	01/07/2014
शनि	11/01/2017
बुध	19/04/2019
केतु	25/03/2020
शुक्र	24/11/2022
सूर्य	12/09/2023
चन्द्र	11/01/2025
मंगल	18/12/2025
राहु	12/05/2028

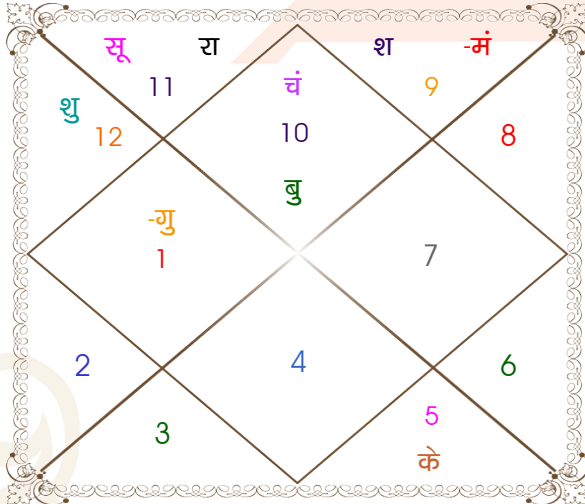
अंश 14:54:53 **राशि** मक **ग्रह** लग्न **राशि** कर्क **अंश** 15:32:10
 03:52:11 **कुंभ** **सूर्य** **कन्या** 08:33:12
 24:47:31 **मक** **चंद्र** **मेष** 02:24:27
 02:40:16 **धनु** **मंगल** **कन्या** 22:17:07

21:43:46	मक	व	बुध	कन्या	02:06:09		
02:18:35	मेष	गुरु	सिंह	09:05:31	मंगल	20/11/2024	
15:08:26	मीन	शुक्र	सिंह	00:03:59	राहु	22/05/2026	
06:33:30	धनु	शनि	मक	06:31:06	गुरु	21/09/2027	
29:31:47	कुंभ	व	धनु	21:49:31	शनि	21/04/2029	
29:31:47	सिंह	व	केतु	मिथु	21:49:31	बुध	20/09/2030
06:23:17	धनु	हर्ष	धनु	16:06:27	केतु	21/04/2031	
15:42:26	धनु	नेप	धनु	20:14:32	शुक्र	20/12/2032	
18:53:28	तुला	व	तुला	24:45:48	सूर्य	21/06/2033	

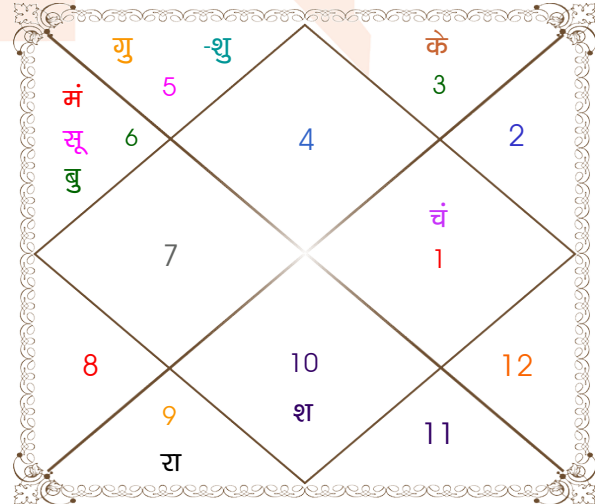
विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 8मा 25दि
चन्द्र
21/06/2023
21/06/2033

चन्द्र	21/04/2024
मंगल	20/11/2024
राहु	22/05/2026
गुरु	21/09/2027
शनि	21/04/2029
बुध	20/09/2030
केतु	21/04/2031
शुक्र	20/12/2032
सूर्य	21/06/2033

लग्न-चलित



लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

